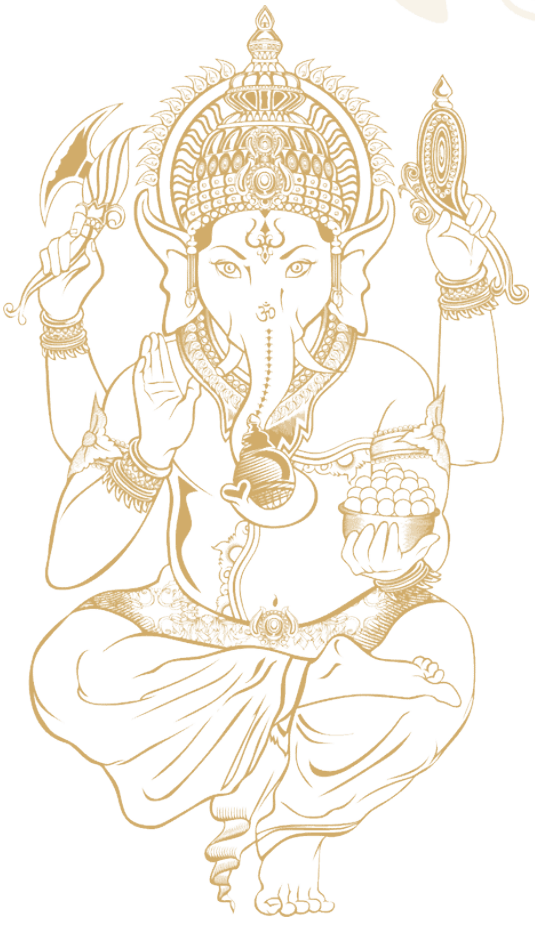

Anshul

Mr.p

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120608302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
21/12/1995	जन्म तिथि	19/05/1996
गुरुवार	दिन	रविवार
घंटे 11:45:00	जन्म समय	07:10:00 घंटे
घटी 11:28:28	जन्म समय(घटी)	04:14:08 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Sonipat
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:59:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:09:36	सूर्योदय	05:28:29
17:28:25	सूर्यास्त	19:08:42
23:48:09	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 8वर्ष 9मा 1दि	22:26:48	कुंभ	लग्न	वृष	29:35:28	चन्द्र 0वर्ष 5मा 28दि	
शुक्र	05:05:32	धनु	सूर्य	वृष	04:33:34	गुरु	
23/09/2011	23:07:59	वृश्चि	चंद्र	वृष	22:40:31	15/11/2021	
23/09/2031	22:01:34	धनु	मंगल	मेष	18:20:55	15/11/2037	
शुक्र 22/01/2015	20:19:53	धनु	बुध व	मेष	28:23:12	गुरु 04/01/2024	
सूर्य 22/01/2016	03:13:50	धनु	गुरु व	धनु	23:31:20	शनि 17/07/2026	
चन्द्र 22/09/2017	05:34:22	मक	शुक्र	मिथु	04:27:47	बुध 22/10/2028	
मंगल 22/11/2018	24:57:20	कुंभ	शनि	मीन	10:40:17	केतु 28/09/2029	
राहु 22/11/2021	00:32:49	तुला व	राहु व	कन्या	22:38:34	शुक्र 29/05/2032	
गुरु 23/07/2024	00:32:49	मेष व	केतु व	मीन	22:38:34	सूर्य 17/03/2033	
शनि 23/09/2027	04:57:34	मक	हर्ष व	मक	10:43:59	चन्द्र 17/07/2034	
बुध 24/07/2030	00:29:19	मक	नेप व	मक	03:50:36	मंगल 23/06/2035	
केतु 23/09/2031	07:46:22	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	08:01:49	राहु 15/11/2037	

लग्न-चलित

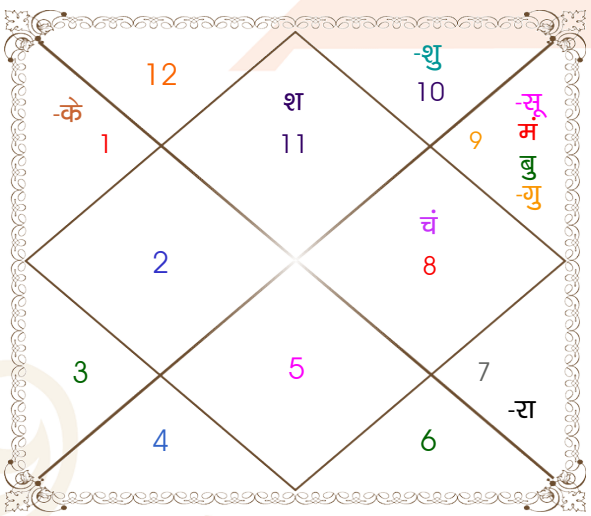

लग्न-चलित

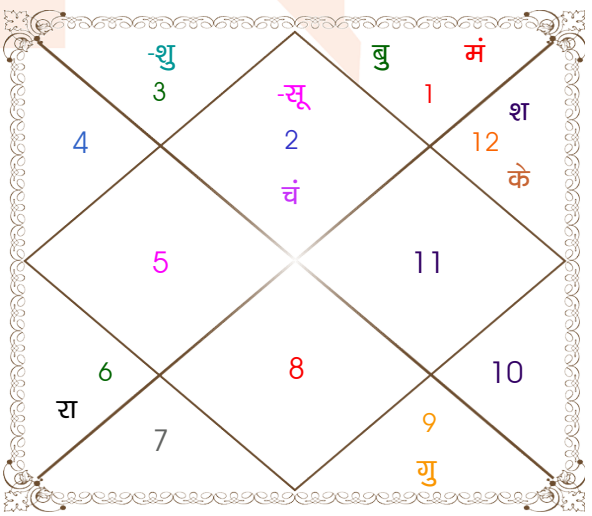

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

Anshul का वर्ग मृग है तथा Mr.p का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Anshul और Mr.p का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Anshul मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Mr.p मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.p कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr.p कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Anshul कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Anshul तथा Mr.p में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।